Digitalization

For the Prosperous Nation

ATUL KUMAR

Digitalization

For the prosperous nation

ATUL KUMAR

Digitalization

For the prosperous nation

Design by

Bibek Bhardwaj Niraula

Published In

Gwalior M.P. India

यह किताब डिजिटल इंडिया योजना से सम्बंधित है!

जिसका मुख्य उधेस्य डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देना व

देश के विकास में व्यक्तिगत योगदान देने के लिए

उत्साहित करना है! तथा इसका उधेस्य किसी भी प्रकार की

भावना को ठेस पहुचाना नहीं है!

लेखक ने, *डिजिटल इंडिया योजना को किस प्रकार सफल*

बना सकते है! इस पर अपनी राय व्यक्त की है! जिसका

मुख्य उधेस्य देश के विकास में योगदान देना है!

ISBN: 978-93-5268-355-0

INDEX

CONTENT

Prologue (प्रस्तावना)

यह किताब डिजिटल इंडिया योजना से सम्बंधित है ! जो कि 1 जुलाई 2015 को, भारत के प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के द्वारा शुरू की गई! जिसका मुख्य उद्धेश्य भारतीय नागरिकों को, सरकार से जोड़ना व भारत को सम्पूर्ण रूप से विकसित बनाना है !

इस किताब का मुख्य उद्धेश्य भारतीय नागरिकों को डिजिटल इंडिया योजना के विषय में जागरूक करना है ! क्यों कि आज भी हमारे देश में कुछ लोग है ! जो कि सिर्फ यह जानते है ! कि

डिजिटल इंडिया एक योजना है ! परन्तु उसका वास्तविक रूप व असली मतलब क्या है! व डिजिटल इंडिया योजना हमारे लिए कैसे उपयोगी है! इससे भारत के कुछ नागरिक आज भी अंजान है! और भारत के नागरिक होने के नाते, हमारा यह कर्तव्य है ! कि हम इसके बारे में अधिक से अधिक लोगों को जागरूक करें!

इस किताब में, "डिजिटल इंडिया" के विषय में लोगों को जागरूक करने के साथ साथ, एक डिजिटल पहचान पत्र के बारे में भी बताया गया है! जिसका सबसे अच्छा उदहारण- आधार कार्ड है!

यदि आधार कार्ड को एक नया रूप दे दिया जाये तो हमारे लिए कैसे उपयोगी हो सकता है! व डिजिटल इंडिया को कैसे सफल बना सकते है! इस पर विचार किया गया है!

इस किताब का मुख्य उद्धेश्य डिजिटल इंडिया योजना को बढ़ावा देना व भारतीय नागरिकों को जागरूक करना है !

DIGITAL INDIA

Digital India is a campaign launched by the Government of India to ensure that Government services are made available to citizens electronically by improved online infrastructure and by increasing Internet connectivity or by making the country digitally empowered in the field of technology.

It was launched on 1 July 2015 by Prime Minister Narendra Modi.

The initiative includes plans to connect rural areas with high-speed internet networks.

Digital India consists of three core components. These include:

The creation of digital infrastructure

- Delivery of services digitally
- Digital literacy
- Project

Digital India was launched by the Prime Minister of India Narendra Modi on 1 July 2015 - with an objective of connecting rural areas with high-speed Internet networks and improving digital literacy. The vision of Digital India programme is inclusive growth in areas of electronic services, products, manufacturing and job opportunities etc and it is centered on three key areas – Digital Infrastructure as a Utility to Every Citizen, Governance & Services

on Demand and Digital Empowerment of Citizens.

The Government of India entity Bharat Broadband Network Limited (BBNL) which executes the National Optical Fibre Network project will be the custodian of Digital India (DI) project. BBNL had ordered United Telecoms Limited to connect 250,000 villages through GPON to ensure FTTH based broadband. This will provide the first basic setup to achieve towards Digital

India and is expected to be completed by 2017.

The government is planning to create 28,000 seats of BPOs in various states and set up at least one Common Service Centre in each of the gram panchayats in the state.

The 2016 Union budget of India announced 11 technology initiatives including the use data analytics to nab tax evaders, creating a substantial

opportunity for IT companies to build out the systems that will be required. Digital Literacy mission will cover six crore rural households. It is planned to connect 550 farmer markets in the country through the use of technology.

Out of 10% English speaking Indians, only 2% reside in rural areas. Rest everyone depends on their vernacular language for all living their lives. However, as of now, email addresses can only be created in English language. To

connect rural India with the Digital India, the Government of India impelled email services provider giants including Gmail, office and rediff to provide email address in regional Languages. However, the email provider companies have shown positive sign and are working in the same process. An Indian based company, Data Xgen Technologies Pvt Ltd, has launched world's first free linguistic email address under the name 'DATAMAIL' which allows to create

email ids in 8 Indian languages, English; and 3 foreign languages – Arabic, Russian and Chinese. Over the period of time the email service in 22 languages will be offered by Data XGen Technologies.

Pillars

The Government of India hopes to achieve growth on multiple fronts with the Digital India Programme.

Specifically, the government aims to target nine 'Pillars of the Digital India' that they identify as being:

1. Universal access to Internet
2. Public Internet Access Programme
3. e-Governance Reforming Government through Technology
4. *e-Kranti* Electronic delivery of services
5. Information for All
6. Electronics Manufacturing

7. IT for Jobs

Services

Some of the facilities which will be provided through this initiative are Digital Locker, e-education, e-health, e-sign and national scholarship portal. As the part of Digital India, Indian government planned to launch Botnet cleaning centers.

DigiLocker

Main article: DigiLocker

Digital Locker facility will help citizens to digitally store their important documents like PAN card, passport, mark sheets and degree certificates. Digital Locker will provide secure access to Government issued documents. It uses authenticity services provided by Aadhaar. It is aimed at eliminating the use of physical documents and enables sharing of verified electronic documents across government agencies. Three key

stakeholders of DigiLocker are Citizen, Issuer and requester.

Attendance.gov.in

Attendance.gov.in is a website, launched by PM Narendra Modi on 1 July 2015 to keep a record of the attendance of Government employees on a real-time basis. This initiative started with implementation of a common Biometric Attendance System (BAS) in the central government offices located in Delhi.

MyGov.in

Main article: MyGov.in

MyGov.in is a platform to share inputs and ideas on matters of policy and governance. It is a platform for citizen engagement in governance, through a "Discuss", "Do" and "Disseminate" approach.

SBM Mobile app

Swachh Bharat Mission (SBM) Mobile app is being used by people and Government organizations for achieving the goals of Swachh Bharat Mission.

e-Sign framework

e-Sign framework allows citizens to digitally sign a document online using Aadhaar authentication.

e-Hospital

The e-Hospital application provides important services such as online registration, payment of fees and appointment, online diagnostic reports, enquiring availability of blood online etc.

National Scholarship Portal

National Scholarship Portal is a one step solution for end to end scholarship process right from submission of student application, verification, sanction and

disbursal to end beneficiary for all the scholarships provided by the Government of India.

Digital India

Introduction (परिचय)

डिजिटल इंडिया भारत सरकार की एक पहल है जिसके तहत सरकारी विभागों को देश की जनता से जोड़ना है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिना कागज के इस्तेमाल के सरकारी सेवाएं इलेक्ट्रॉनिक रूप से जनता तक पहुंच सकें। इस योजना का

एक उद्देश्य ग्रामीण इलाकों को हाई स्पीड इंटरनेट के माध्यम से जोड़ना भी है।

डिजिटल इंडिया के तीन कोर घटक हैं-

- डिजिटल आधारभूत ढाँचे का निर्माण करना,
- इलेक्ट्रॉनिक रूप से सेवाओं को जनता तक पहुंचाना,
- डिजिटल साक्षरता।

योजना को 2019 तक कार्यान्वयित करने का लक्ष्य है। एक टू-वे प्लेटफॉर्म का निर्माण किया जाएगा जहाँ दोनों (सेवा प्रदाता और उपभोक्ता) को लाभ होगा। यह एक अंतर-मंत्रालयी पहल होगी जहाँ सभी मंत्रालय तथा विभाग अपनी सेवाएं जनता तक पहुंचाएंगें जैसे कि स्वास्थ्य, शिक्षा और न्यायिक सेवा आदि। चयनित रूप से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) मॉडल को अपनाया

जाएगा। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय सूचना केंद्र के पुनर्निर्माण की भी योजना है। यह योजना मोदी प्रशासन की टॉप प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में से एक है। यह एक सराहनीय और सभी साझेदारों की पूर्ण समर्थन वाली परियोजना है। जबकि इसमें लीगल फ्रेमवर्क, गोपनीयता का अभाव, डाटा सुरक्षा नियमों की कमी, नागरिक स्वायत्तता हनन, तथा भारतीय ई-सर्विलांस के लिए

संसदीय निगरानी की कमी तथा भारतीय साइबर असुरक्षा जैसी कई महत्वपूर्ण कमियाँ भी हैं। डिजिटल इंडिया को कार्यान्वयित करने से पहले इन सभी कमियों को दूर करना होगा।

डिजिटल इंडिया के सामने चुनौतियाँ:

भारत सरकार की संस्था 'भारत ब्रॉडबैंड नेटवर्क लिमिटेड' नेशनल ऑप्टिकल

फाइबल नेटवर्क जैसी परियोजना को कार्यान्वयित करेगी जो डिजिटल इंडिया कार्यक्रम की देखरेख करेगा। बीबीएऩएल ने यूनाइटेड टेलीकॉम लिमिटेड को 250,000 गाँवों को एफटीटीएच ब्रॉडबैंड आधारित तथा जीपीओएन के द्वारा जोड़ने का आदेश दिया है। यह 2017 तक (अपेक्षित) पूर्ण होने वाली डिजिटल इंडिया परियोजना को सभी आधारभूत सुविधाएं मुहैया कराएगी।

डिजिटल इंडिया भारत सरकार की आश्वासनात्मक योजना है। कई कम्पनियों ने इस योजना में अपनी दिलचस्पी दिखायी है। यह भी माना जा रहा है कि ई-कॉमर्स डिजिटल इंडिया प्रोजेक्ट को सुगम बनाने में मदद करेगा। जबकि, इसे कार्यान्वयित करने में कई चुनौतियाँ और कानूनी बाधाएं भी आ सकती हैं। कुछ लोगों का यह भी मानना है कि देश में डिजिटल इंडिया सफल तबतक

नहीं हो सकता जबतक कि आवश्यक बीसीबी ई-गवर्नेंस को लागू न किया जाए तथा एकमात्र राष्ट्रीय ई-शासन योजना **(National e-Governance Portal)** का अपूर्ण क्रियान्वयन भी इस योजना को प्रभावित कर सकता है। निजता सुरक्षा, डाटा सुरक्षा, साइबर कानून, टेलीग्राफ, ई-शासन तथा ई-कॉमर्स आदि के क्षेत्र में भारत का कमजोर नियंत्रण है। कई कानूनी विशेषज्ञों का यह भी

मानना है कि बिना साइबर सुरक्षा के ई-प्रशासन और डिजिटल इंडिया व्यर्थ है। भारत ने साइबर सुरक्षा चलन ने भारतीय साइबर स्पेस की कमियों को उजागर किया है। यहाँ तक कि अबतक राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा योजना 2013 अभी तक क्रियानवयित नहीं हो पायी है। इन सभी वर्तमान परिस्थियों में महत्वपूर्ण आधारभूत सुरक्षा का प्रबंधन करना भारत सरकार के लिए कठिन कार्य

होगा। तथा इस प्रोजेक्ट में उचित ई-कचरा

प्रबंधन के प्रावधान की भी कमी है।

Digitalization

इस **Digitalization** के समय मे जिन Problems का हमे सामना करना पड़ रहा है। उन्ही कारणो को लेकर तथा Digitalization को बढ़ाने और सबको एक दूसरे से जाड़ने के लिए Digitalization का उपयोग कैसे करें। इस किताब के माध्यम से सबको बताना चाहता हूँ। मैने एक ऐसी Device or Digital

Card की कल्पना की है। जो भविष्य मे हो सकता है। कि हमारे तथा हमारी सरकार (Government) के अत्याधिक उपयोगी हो सकती है।

Digitalization को लेकर मैने जो कल्पना की है। वो इस किताब Book के माध्यम से मै आप सबके सामने रखना चाहता हूँ। मूझे आशा है। कि मेरी यह सोच आप सबको पसंद

आये। तथा हम सबके जीवन मे इसका उपयोग लाभदायक हो।

आजकल का दौर Digitalization का दौर है। और इस दौर से सब जुड़ना चाहते है। क्योकि सब चाहते है। कि बे इस Digitalization का हिस्सा बने। तथा इस Digitalization के दौर मे अपने आप को समिल करें। और देश को

भी आगे लेकर चलें। क्योकि यह हमारे देश के भविष्य के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है।

जैसा कि हम सब जानते है। कि हमारी सरकार भारतिय नागरिकों के लिए नई योजनाऐं निकालती रहती है। परंतु प्रत्येक नागरिक उस योजना से पूर्ण रूप से नहीं जुड़ पाता है। क्यों कि प्रत्येक योजना के लिऐ भारत सरकार द्वारा कुछ नियम बनाये जाते

है। जिन्हे उपयोग करना अनिवार्य होता है। जो कि आवश्यक भी है। कुछ लोग दिये गये नियमो का पालन नही कर पाते या फिर योजना के निर्देशो का पालन करने मे असमर्थ होते है। जैसे कि पूर्ण दस्तावेजो का न होना।

ऐसी ही कई समस्याओ को लेकर असमर्थ होते है। तथा योजना से बंचित रह जाते है।

जिस कारण लोग केवल योजना योजना से ही नहीं बल्कि विकास मे भी पीछे रह जाते है। और यहि कारण है। कि लोग भारत के विकास मे पीछे रह जाते है। कही न कही एक कारण यह भी है। जब लोग विकसित भारत की रेस छोड़कर भ्रष्टाचार की रेस मे सामिल हो जाते है। तथा योजना से जुड़ने के लिए भारत सरकार द्वारा दिये गये नियमो का

उलंगन करके भ्रष्टाचार की ओर जाने लगते है। और भ्रष्टाचार दिन प्रतिदिन फैल रहा है।

शायद इसी कारण लोग न केवल Digitalization बल्कि बिकसित भारत मे भी पीछे रह जाते है।

आज के समय में देखा जाये तो हमारा भारत देश किसी भी देश से कम नही है। परन्तु फिर भी हमे और बदलाब की आवश्यकता है। मेरा

मानना है। कि विकसित भारत Developed India सिर्फ एक वाक्य नही बल्कि एक सोच है। जो कि यह भारत के प्रत्येक नागरिक की सोच पर निर्भर करता है। कि भारत को किस बदलाब की आवश्यकता है। और हम किस प्रकार अपना व्यक्तिगत योगदान दे सकते है। और यह हमारा कर्तव्य है। क्यो कि हम इस देश के नागरिक है।

आज के समय मे हमारा देश किसी भी क्षेत्र मे कम नही है। फिर चाहे वो खेल हो या Technology हो या फिर New Research हो! और एक नये बेहतर भविष्य के लिए आगे बढ़ रहा है! हम सब भी यही चाहते है! कि हमारा देश दिन प्रति दिन नई ऊचाइयों पर हो और हमारा विकास हो व हमारा देश एक नये स्तर पर हो।

मुझे लगता है। कि भरत के विकास के लिए हमारे योगदान की बहुत आवशकता है। और इस Digitalization के दौर मे हमे तकनीकी (Technology) के साथ-साथ, एक नई सोच की भी आवश्यकता है। इसिलिए मुझे लगता है। कि हमारे देश की ऐसी तकनीकी (Technology) की आवश्यकता है। जो प्रत्येक भारतीय के जीवन शैली मे आसानी से उपयोग मे लाई जा सके! इस प्रकार की

तकनीकी का सबसे अच्छा उदाहरण है।

आधार कार्ड!

Digital Card

Digital Card व Digital India को लेकर मेरे मन मे एक सुझाव है। जिस सुझाव को मे अपनी इस किताब (Book) के माध्यम से आप सबको बताना चाहता हूँ। मुझे आशा है। कि यह सुझाव हमारे लिए व हमारे देश के भविष्य के लिए आवश्यक तत्व माना जा सकता है। क्यो कि Digital India एक ऐसी

सोच है। जिसकी सहायता से हम अपने देश में भ्रष्टाचार (Corruption), Crime जैसी अन्य बीमारियों से मुक्त कर सकते है। परन्तु यह तब संभव है। जब हम सब भारतिय एक जूट होकर अपना योगदान दें। और अपने देश को आगे बढ़ाये।

मेरा सुझाव एक ऐसे Identity Card परिचय पत्र से है। जो आसानी से उपयोग किया जा

सके और हमारे लिए भी लाभदायक साबित हो। तथा इस परिचय पत्र को हम Digital Card व Digital Identity Card भी कह सकते है। जो कि Information System के अनुसार कार्य करेगा। तथा प्रत्येक ऐसी जगह जहाँ पहचान पत्र कि आवश्यकता है। उस जगह व स्थान पर इस Digital Card का उपयोग होना आवश्यक होना चाहिए ।
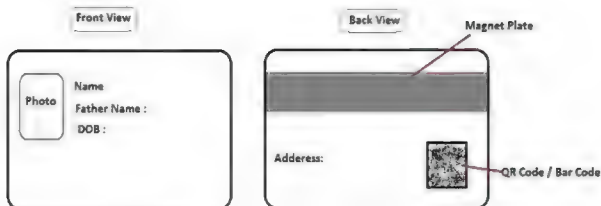
DIGITAL IDENTITY CARD

Digital Card

यह Digital Card एक Communication System की तरह Sender व Receiver का कार्य करेगा। तथा इसका उपयोग ATM Machine की तरह होगा। प्रत्येक ऐसी जगह जहाँ पहचान पत्र की आवश्यकता है। वहाँ भारत सरकार (India Government) द्वारा एक ATM मशीन जैसी मशीन लगाई जायेगी, परन्तु उससे पैसे नही निकलेगे और न ही वह ATM की तरह कार्य करेगी। वह

मशीन एक Receiver की तरह कार्य करेगी। तथा जिस स्थान पर वह मशीन उस स्थान पर उस मशीन मे Digital Card Swab व Finger Print करते समय ही उस व्यक्ति की जानकारी (Personal Information), उस मशीन के द्वारा Indian Information System मे Personal Information के साथ-साथ स्थान (Place), समय (Time) तथा उस व्यक्ति का कार्ड Card Swab करते वक्त का

Photo भी Indian Information System मे जुड़ जायेगा!

परन्तु Digital card Swab करते ही कार्ड का डाटा मशीन मे जुड़ने के साथ-साथ मशीन का डाटा भी उस कार्ड मे जुड़ जायेगा।

DIGITAL MACHINE FOR DIGITAL IDENTITY CARD
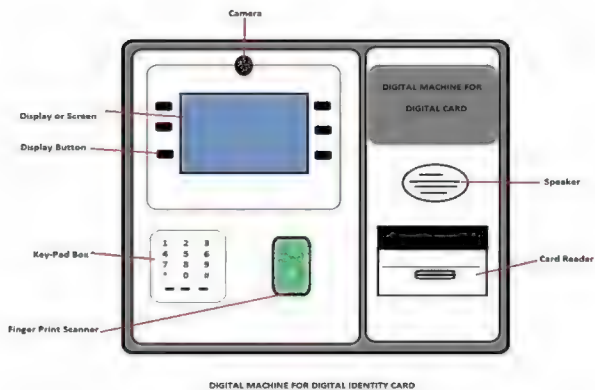
Machine for Digital Card

डिजिटल कार्ड के प्रकार

यह डिजिटल कार्ड दो प्रकार का होगा !

1. परमानेंट डिजिटल कार्ड (Permanent Digital Card)

2. टेम्पोरोरी डिजिटल कार्ड (Temporary Digital Card)

1. Permanent Digital Card:

डिजिटल कार्ड एक भारतीय पहचान पत्र के रूप में कार्य करेगा! तथा यह केवल भारतीय व जो इस देश के निवासी है ! उनके लिए उपयोगी होगा! और यह भारत वासियों के लिए के लिए एक डिजिटल आइडेंटिटी कार्ड होगा !

उदाहरण: आधार कार्ड

2. Temporary Digital Card:

टेम्पोरोरी डिजिटल कार्ड भी पर्मानेन्ट डिजिटल कार्ड की तरह कार्य करेगा ! परंतु टेम्पररी डीजीटल कार्ड का उपयोग हमेशा के लिए नहीं होगा! इसकी एक निर्धारित अवधि होगी! जो कि उस निर्धारित अवधि के बाद कार्य करना बन्द हो जायेगा!

यह कार्ड भारतीय नागरिकों के उपयोग के लिए नहीं होगा! इस कार्ड को बनाने का मुख्य उधेश्य हमारे देश में आये पर्यटक तथा अन्य विदेशियों के लिए उपयोग होगा!

इस कार्ड का उपयोग हमारे देश में आये विदेशी पर्यटको की सुरक्षा के लिए कर सकते है ! और उनकी गतिविधियों पर नजर रख सकते है !

कार्ड (Digital Card) के द्धारा मशीन मे जुड़ने वाला Data –

वह डाटा जो कि कार्ड उपयोग करते ही मशीन मे जुड़कर, Indian Information System या Indian Information Portal ने जुड़ेगा।

Data का प्रकार-

कार्डधारक की व्यक्ति जानकारी (Personal Information)

स्थान का नाम समय तथा तारीक

1. व्यक्ति का Crime रिकार्ड यदि Digital Card में उपस्थित हैं।
2. कार्डधारक जिस योजनाओं का लाभ उठा रहा हैं तथा लाभ उठा चुका हैं।

3. कार्ड धारक का Education व Corruption रिकार्ड जो कार्ड में उपस्थित है।

Note: - इस कार्ड में व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी के साथ-साथ व्यक्ति के Documents व Certificates भी इस कार्ड में उपस्थित होगे तथा यह जानकारी कार्ड बनाते वक्त किया जा सकता है।

मशीन के द्वारा कार्ड में जुडने वाला डाटा-

1. वह डाटा जो कि Digital Machine में उपस्थित है Card Swab करते ही मशीन से कार्ड में जुड़ जायेगा।
2. स्थान (Place) का नाम, जहाँ मशीन उपस्थित है।
3. कार्ड इस्तेमाल करने का समय तथा तारीख व अन्य आवश्यक जानकारी

जो कि Crime जैसे कार्य से मतलब रखती है।

4. सुरक्षा तथा Crime की दृष्टि से जहा इस प्रकार की मशीन उपस्थित होना अति आवश्यक है जैसे-

- बैंक
- रेलवे स्टेशन
- प्रइवेट (Private) व सरकारी (Government) वस स्टेड

5. इर ऐसी जगह जहा क्राइम या अन्य प्रकार की घटना व भ्रष्टाचार होने की संभावना है वहाँ पर, इस प्रकार की मशीन लगाकर उसका उपयोग करना अनिवार्य होना चाहिए।

कार्ड (Digital Card) से आम जानता को होने वाले लाभ:-

1. यह एक पहचान पत्र की तरह उपयोग किया जा सकता है।
2. सरकारी या प्राइवेट नौकरी में चरित्र प्रमाण पत्र की दृष्टि से उपयोग में लाया जा सकता है।

3. किसी भी सरकारी या प्राइवेट योजना का लाभ पाने के लिए उपयोग कर सकते है ।

4. सुरक्षा की दृष्टि से किसी भी प्रकार के झूठे आरोप से बचने के लिए उपयोग कर सकते है।

5. भरतीय पहचान (Indian Identity Card) पत्र के रूप में उपयोग कर सकते है।

6. अपने आप को भ्रष्टाचार के झूठे आरोप से बचा सकते है।
7. किसी भी उपयोग का सीधा (Direct) लाभ ले सकते है।
8. इस कार्ड के द्वारा अपने शहर, गाँव व देश के विकास में सहयोग कर सकते है।

Digital Card कार्ड से भारतीय सरकार को होने वाले लाभ-

1. Digital Identity Card के रूप में सहायक हो सकता है।
2. इस कार्ड का उपयोग किसी भी व्यक्ति के लिए जिसने, कोई क्राइम किया है। उसकी History जानने के लिए उपयोग किया जा सकता है।

3. इस कार्ड का उपयोग कानून व्यवस्था Indian Low System में उपयोग कर सकते हे।

4. क्राइम जैसी बीमारीयों को देश के खत्म कर सकते है।

5. Income Tax Department में इसका उपयोग कर सकते है।

6. देश के प्रत्येक व्यक्ति की जानकारी (Information) आसानी से Collect

कर सकते है तथा उसकी गतिविधियों (Activity) पर नजर रख रखते है।

7. देश की जानता से सीधे जुड सकते है।

Digital Card से सबंधित सबाल

1. इस कार्ड की आवश्यकता क्यो?

2. Digital card को Swab करने के साथ फिगंरप्रिट तथा फोटो की आवश्यकता क्यो?

3. Digital Card का उपयोग चरित्र प्रमाण के लिये कैसे उपयोग कर

सकते है तथा इसकी आपश्यकता क्यो?

4. सुरक्षा की दृष्टि से कार्ड का उपयोग कैसे कर सकते है?

5. इस कार्ड का उपयोग रेलवे, बस स्टैंड पर आवश्यक क्यों?

6. Digital Card को चरित्र प्रमाण पत्र के लिए कैसे उपयोग कर सकते है?

7. Digital Card से Crime को कैसे खत्म कर सकते है?

प्रशन- Digital Card की आवश्यकता क्यो?

उत्तर- हम सब जानते की यह समय Digital Card का समय है तथा Digital India का सम्बध, भारत में रहने वाले नागरिकों को सरकारी विभागों से जोडना है तथा Digital Card का उपयोग इस कार्य के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। तथा इसका उपयोग हमारे व हमारे देश के भविष्य

के लिए अतिआवश्यक है। अतः इसलिए

Digital Card आवश्यक माना जा सकता है।

प्रशन- Digital Card को स्वाइप करने के साथ फिंगरप्रिट तथा फोटो की आवश्यकता क्यो।

उत्तर- Digital Card का स्वाइप होना तथा फिंगरप्रिंट करना यह दर्शाता हैं कि वह व्यक्ति किसी विशिष्ट स्थान पर मौजूद था जब उस व्यक्ति ने कार्ड स्वाइप किया और अपने फिंगरप्रिट स्क्रेरन किये । परन्तु इस

Digitalization के समय में लोगों की व्यक्तिगत सोच भी विकसित हो गई है। तथा उसका दुरूपयोग भी हो रहा है।

जैसे- नकली फिंगरप्रिंट का उपयोग।

इस व्यवस्था को देखते हुये कार्ड का स्वाइप होना, फिंगरप्रिंट व फोटो का आवश्यक है।

प्रशन- Digital Card को चरित्र प्रमाण पत्र के रूप में उपयोग कैसे कर सकते है।

उत्तर- हम सब जानते है कि चरित्र प्रमाण पत्र (Character Certificate) कितना आवश्यक और कहाँ-कहाँ इसकी आवश्यकता है।

Digital Card के अन्दर सभी Documents स्थित होगे तथा यदि आप कोई क्राइम करते

है या फिर निद्वोष है इससे सबंधित जानकारी इस कार्ड में मौजूद रहेगी।

जिस व्यक्ति को हमारा चरित्र प्रमाण पत्र चाहिए वह हमारा कार्ड Test करना सकता है। कार्ड Test का मतलब है हर कोई हमारा कार्ड Test नहीं कर सकता है। इसकी अनुमति केवल भारत सरकार को होगी।

भारत सरकार इससे सबंधित विभाग स्थापित करेगी। जिन स्थानों पर कार्ड Test करवाकर या कार्ड Verified करवाकर यहाँ से एक चरित्र प्रमाण दिया जायेगा। जिसमें दी गई जानकारी Digital Card की जानकारी के अनुसार, लिखकर दी जायेगी।

Note: - इसी प्रकार कानून व्यवस्था में भी उपयोग लाया जा सकता है।

प्रशन- Digital Card का उपयोग रेलवे स्टेशन, बस स्टेड, बैंक आदि पर आवश्यक क्यों।

उत्तर- हम सब जातने है कि हमारा देश एक नये स्तर पर जा रहा है। परन्तु आजदिन दिन में घटनाऐ घटती रहती हे।

जैसे- आंतकियो की घुसपैठ महिलाओं की सुरक्षा से सबंधित, तथा ट्रेनों में होने वाले हादसे तथा अन्य।

मुझे लगता हे कि इस प्रकार की घटनाऐ Digital Card के उपयोग से कम की जा सकती है। यदि Digital Card का उपयोग रेलवे स्टेशन तथा बैंक व बस स्टेड पर अनिवार्य कर दिया जाये क्यो कि इस नियम

के लागू होने से किसी भी व्यक्ति की गतिविधियों पर नजर रख सकते तथा Criminals को आसानी से पडक सकते हे। तथा कानून व्यवस्था में जरूरत पडने पर इस प्रकार की गतिविधियों को चेक करके निर्णय खोजने में भी सहायता मिल सकती है।

मुझे आशा है की आप डिजिटल इंडिया

वास्तविक मतलब समझ गए होंगे तथा यह

भी समझ गए होंगे कि डिजिटल इंडिया

योजना हमारे लिए कितनी आवश्यक है !

और हमे ऐसे ही digitalization कि

आवश्यकता है जो सम्पूर्ण देश के हित में हो!

और एक नए समृद्ध देश का निर्माण हो !

परंतु यह तब संभव है ! जब देश के निर्माण

में भारत के प्रत्येक नागरिक सामिल हो और

देश को आगे लेकर आये !

इसके आगे जो आप पढ़ने जा रहे है ! और जो

मै इस किताब के माध्यम से आपको

समझाने की कोशिश कर रहा हूँ! एक बार

आप उस कहानी को सोचिये और इसकी

कल्पना करके देखिये! मुझे आशा है ! कि

आप अवश्य, उस सोच मै एक नया व एक सम्पूर्ण रूप से डिजिटल इंडिया देखेंगे!

आप कल्पना कीजिये कि प्रत्येक ऐसा स्थान जहा हमे परिचय पत्र कि आवश्यकता होती है ! जिसके बिना कार्य नहीं हो सकता और उस कार्य को पूरा करने के लिए, कुछ भ्रष्टाचारियो को पैसे देने पड़ते है !

कल्पना करके देखिये कि प्रयेक ऐसे स्थान पर डिजिटल मशीन उपलब्ध है! जिसके द्वारा हम अपना डिजिटल कार्ड को स्वेब कर सकते है ! डिजिटल मशीन लगने के बाद जिस कार्य को सम्पूर्ण करने व किसी योजना से जुड़ने के लिए आपको किसी अन्य व्यक्ति (जो आपके परिचय पत्र व अन्य दस्तावेजों को जांचने का कार्य करता है!) की

आवश्यकता नहीं है ! अब आप स्वयं उस कार्य को इस कार्ड के द्वारा सत्यापित कर सकते है ! यदि आपके दस्तावेज, उस कार्य के लिए उपयुक्त है! और यदि आप उसके लिए उपयुक्त नहीं है ! तो स्वयं उसका कारण जान सकते है! व आप इस कार्ड के द्वारा प्रत्यक्ष रूप से प्रत्येक योजना मे सामिल हो सकते है !

यदि आने वाले समय मे प्रत्येक स्थान पर डिजिटल कार्ड आवश्यक कर दिया जाये! उस समय मे, हमे डिजिटल कार्ड का बहुत लाभ होगा तथा आप इसका आसानी से उपयोग कर सकते है ! व आपके डिजिटल कार्ड का कोई भी व्यक्ति दुरूपयोग नहीं कर सकता है ! क्यों कि डिजिटल कार्ड स्वेब करने के साथ साथ आपके फिंगरप्रिंट भी उपयोग होंगे व

इसके साथ आपका लाइव विडियो क्लिपिंग भी बन रही होगी ! जो कि भारत सरकार द्वारा ऑपरेट होगी !

इस काल्पनिक डिजिटल कार्ड को लेकर मेरा मानना है ! कि इसका उपयोग एक भारतीय पहचान पत्र के रूप मे प्रत्येक स्थान पर होना चाहिए!

इसके उपयोग से हम भ्रष्टाचार, जुर्म जैसी अन्य बीमारियों को जो हमारे देश में चल रही है! उनको जड़ से खत्म कर सकते है !

मुझे आशा है ! कि आपको भी मेरा यह सुझाव पसंद आया होगा ! या फिर हो सकता है ! आप भी मेरी तरह, देश के लिए कुछ नया सोच रहे होंगे !

आप इस किताब के बारे में कुछ बताना चाहते है ! या अपना सुझाव देना चाहते है ! तो आगे पेज पर दिए गए QR कोड को सकेन कीजिये ! और अपना सुझाव दीजिये !

FEEDBACK PAGE

Scan QR Code

(Or)

Click Here for Review

On Goodreads

‘COMING SOON’
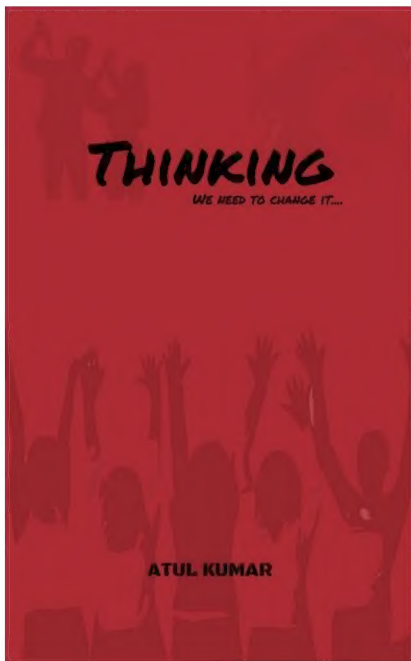
THINKING

We need to change it...

यह किताब, हमारे समाज में महिलाओं व लड़कियों के प्रति, लोगों की जो सोच है ! उस पर आधारित है ! तथा इस किताब का मुख्य उधेश्य महिलाओं के प्रति सोच को बदलना व महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है!

***

I am an undergraduate student currently pursuing B.Sc. Nursing Hons. in ITM University Gwalior (MP). I wrote this book to convey my opinion about digitalization and how it can contribute in the development of the nation.